महत्वपूर्ण एवं खास

पिता-पुत्र के बीच उपजे विवाद को शांत कराना भाई-बहन को पड़ा महंगा

कोरबा (आरएनएस)। पिता-पुत्र के बीच उपजे विवाद को शांत कराने के लिए बीच बचाव करना भाई बहन को काफी महंगा पड़ गया। नशे में धुत्त युवक ने चाकू से हमला कर भाई और बहन दोनों को घायल कर दिया। घटना में दोनों को काफी चोट लगी है। कोतवाली थाना क्षेत्र में सामने आई इस घटना की शिकायत पुलिस से की गई है जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थानांतर्गत ईमलीडुग्गू बस्ती में किसी बात को लेकर पंडित मिश्रा नामक युवक नशे में धुत्त होकर अपने पिता से विवाद कर रहा था। बात कहीं आगे न बढ़ जाए इसलिए उमा मिश्रा व उसका भाई गोलू बीच बचाव करने पहुंचे जो पंडित को नागवार गुजरा और उसने चाकू से दोनों भाई और बहन पर हमल कर दिया। इस घटना में दोनों को काफी चोट लगी है। गोलू के सिर पर गहरे जख्म लगे हैं वहीं उमा का हाथ कट गया है। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।बीती रात सामने आई इस घटना की शिकायत पुलिस से की गई है। पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जिसके खिलाफ द्वारा जरुरी कार्रवाई की जा रही है।

होलिका दहन को लेकर बलवा, आरोपियों पर अपराध दर्ज

कोरबा (आरएनएस)। होलिका दहन और होली की मध्य रात्रि हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम धतुरा में बलवा हो गया। जानकारी के मुताबिक प्रार्थी सत्यनारायण कौशिक व उसके परिजनों के साथ लवकुमार, शिवप्रसाद, आर्यन, सुमीत,अनित,राजा ने घटना को अंजाम दिया। दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक 8 मार्च को रात करीब 3 बजे सत्यनारायण कौशिक व परिजन घर के पीछे खेत में होलिका दहन कर रहे थे कि गांव के लव कुमार व उसके अन्य साथी लोग शराब के नशे में आकर गाली गुप्तार कर रहे थे। मना करने पर अपने हाथ में रखे लाठी, फरसा, चाकू से कौशिक के सिर, कनपटी, दाहिने पैर, पीठ में मारपीट किये। मारपीट करते देख भाई सत्यवान कौशिक बीच बचाव करने आया तो उसको भी उनके द्वारा मारपीट किया गया जिससे सत्यवान को भी सिर, दाहिने हाथ, कमर, पीठ व अन्य जगहों पर चोट लगा है। घटना को ओमकार, राहूल, जैकी, आर्यन केंवट लोग देखे सुने व बीच बचाव किये। मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 147, 148, 294, 323, 506 भादवि के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

दो बाइक को कुचलते निकली ट्रक : 3 की मौत,गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कटघोरा बिलासपुर मार्ग पर सुतर्रा के पास बड़ा सडक़ हादसा हो गया। दो अलग-अलग बाइक सवारों को तेज रफ्तार ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। तीन लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। तीनों घायलों को कटघोरा के अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना के विरोध में नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर चार घंटे तक चक्कजाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात व्यवस्था बहाल कराने में जुटी रही और हाई?वे खाली करने के लिए लोगों को समझाइश देती रही। जानकारी के मुताबिक दोनों बाइक सवार सुतर्रा से मोहनपुर अपने घर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने इन्हें टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। काफी देर तक शव सडक़ पर ही पड़े थे। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस के जरिए सभी को अस्पताल पहुंचाया। जहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बजट में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान

किसानों को सालाना प्रति एकड़ 15 से 50 हजार रूपए तक की आय

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में वृक्षों के व्यवसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभानाओं को देखते हुए ''मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना'' को लागू किए जाने की घोषणा की गई है। योजनांतर्गत कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषकों की सहमति पर उनके भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है। राज्य में इसके सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री बघेल द्वारा वर्ष 2023-24 के प्रस्तुत बजट में 100 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में ''मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना'' लागू किये जाने की घोषणा उपरान्त छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना की क्रियान्वयन की तैयारी में वन विभाग जुट गया है और तैयारियां जोरो पर है। वन विभाग द्वारा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन और वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ के निर्देशन में अब तक 19 हजार से अधिक हितग्राहियों के लगभग 30 हजार एकड़ निजी भूमि में वृक्षारोपण हेतु पंजीयन किया जा चुका है।

इस वर्ष 12 प्रजाति के वृक्षों का 30 हजार एकड़ रकबे में होगा रोपण- इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत राज्य में इस वर्ष 12 प्रकार के प्रजाति के वृक्ष का 30 हजार एकड़ रकबे में रोपण किया जाएगा। इनमें से क्लोनल यूकलिप्टस का 17 हजार 182 एकड़ में, रूटशूट टीक का 6 हजार 456 एकड़ में, टिश्यू कल्चर का 2 हजार 617 एकड़ में, चंदन का 1 हजार 462 एकड़ में, मेलिया दुबिया का 8 सौ 34 एकड़ में, सामान्य बांस का 7 सौ 37 एकड़ में, टिश्यू कल्चर बम्बू का 6 सौ 7 एकड़ में, रक्त चंदन का 1 सौ 26 एकड़ में, आमला का 43 एकड़ में, खमार का 40 एकड़ में, शीशम का 20 एकड़ में तथा महानीम का 20 एकड़ रकबे में लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ में 15 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य- मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा 1 वर्ष में 36 हजार एकड़ तथा 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुल 15 करोड़ वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है।इस योजनांतर्गत राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक वृक्षारोपण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देगी। चिन्हित वृक्ष प्रजातियों की खरीदी हेतु न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण भी शासन द्वारा किया जाएगा। 5 वर्षो में रोपित सभी प्रजातियो के वृक्ष परिपक्व होने पर उनका मूल्य 10 हजार करोड़ रुपये होने की सम्भावना है। इस योजना से किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 15 हजार से 50 हजार रूपए तक की आय सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को अतिरिक्त आय होगी।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना अंतर्गत समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी पात्र होंगे। इसके अलावा शासकीय, अर्धशासकीय तथा शासन के स्वायत्व संस्थान जो अपने स्वयं के भूमि पर रोपण करना चाहते हैं, पात्र होंगे। इसी तरह निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, गैर शासकीय संस्थाएं, पंचायतें, भूमि अनुबंध धारक, जो अपने भूमि में रोपण करना चाहते हैं, वे पात्र होंगे। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। इसके तहत राज्य के सभी कृषकों, शासकीय, गैर शासकीय, अर्धशासकीय, पंचायतें, अथवा स्वायत्व संस्थानों की भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण उपरांत सहयोगी संस्था, निजी कंपनियों के माध्यम से निर्धारित समर्थन मूल्य पर वनोपज के क्रय की व्यवस्था करते हुए एक सुदृढ़ बाजार व्यवस्था आदि सुनिश्चित करना है।

कुलपति विश्वविद्यालयों में बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करें : राज्यपाल

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राज्य के विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से प्रदेश के विश्वविद्यालयों की गतिविधियों, समस्याओं आदि की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालयों की नैक (एन.ए.ए.सीं.) ग्रेडिंग, विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की संख्या, दर्ज विद्यार्थियों की संख्या आदि की जानकारी ली। उन्होंने कुलपतियों को विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो को विभिन्न विश्वविद्यालयों के लम्बित दीक्षांत समारोहों की जानकारी लेकर विश्वविद्यालयों में शीघ्र ही समारोह का आयोजन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह, विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ता है। दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किए जाएं ताकि उनके शिक्षा एवं कैरियर में किसी प्रकार की हानि न हो।

राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि विश्वविद्यालयों की समस्याओं आदि के संबंध में उन्हें राजभवन सचिवालय के माध्यम से प्रतिवेदन प्रेषित किए जाएं ताकि राज्य शासन से समन्वय के जरिए इन समस्याओं का निराकरण किया जा सके। उन्होंने आगामी दीक्षांत समारोहों के संबंध में कार्ययोजना बनाकर राजभवन सचिवालय को प्रेषित करने को कहा।

इस अवसर पर 12 शासकीय विश्वविद्यालयो पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय अंजोरा, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग महात्मागांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के कुलपति एवं 05 निजी विश्वविद्यालय सी.वी. रमन विश्वविद्यालय,बिलासपुर, आई.सी. एफ.ए.आई.दुर्ग.एमिटीविश्वविद्यालय,रायपुर, ओ.पी.जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़, के.के. मोदी विश्वविद्यालय,दुर्ग के कुलपति और निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. उमेश मिश्रा एवं सदस्यों ने मुलाकात की एवं राज्यपाल हरिचंदन को होली की शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान पं. रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि इसी माह दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। तत्पश्चात् राज्यपाल हरिचंदन ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को कृषि अनुसंधान का लाभ किसानों तक पहुंचाने की दिशा में विशेष प्रयास करने को कहा । साथ ही उन्होंने कृषि शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़ाने की दिशा में उपाय करने को भी कहा।

तेज रफ्तार बाइक पुलिया से टकराई, दो दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को बाइक सवार दो युवक पुलिया से जा टकराए। हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लोगों ने बताया कि बाइक की रफ्तार बेहद तेज थी, जिसके कारण वो अनियंत्रित हो गई और बरबसपुर के पास पुलिया से जा टकराई।

जानकारी के मुताबिक युवक सलीम गोड 19 वर्ष रावा गांव निवासी और विलवेंशयन सोनवानी 22 वर्ष मोहनपुर निवासी दोनों दोस्त थे। उनका गांव आसपास ही है, इसलिए साथ ही कॉलेज भी आना-जाना करते थे। मंगलवार को वे अपने दोस्तों के साथ होली मिलन समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे। वहां से घर लौटते वक्त कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जटगा चौकी के बरबसपुर पुल के पास वे हादसे का शिकार हो गए। बाइक सवार युवक बहुत तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहा था, जिसके कारण वो उसे नियंत्रित नहीं कर सका और पुलिया से मोटरसाइकिल टकरा गई। हादसे में दोनों जमीन पर गिर गए। दोनों गंभीर रूप से घायल थे। जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया जाता, तब तक उनकी मौत हो गई। राहगीरों ने डायल 112 और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया और परिजनों को सूचना दी।

मुख्यमंत्री बघेल ने तेन्दू से बनी आइसक्रीम चखकर स्वाद की सराहना की

रायपुर (आरएनएस)। फाल्गुन मंडई कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के नवाचार पहल के तहत तेंदू फल से निर्मित आइसक्रीम का भी स्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने उसके स्वाद की प्रशंसा करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन, दन्तेवाड़ा के सहयोग से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र दन्तेवाड़ा द्वारा मौसमी तेंदू के फल से आइसक्रीम बनाने का कार्य किया जा रहा है।

तेंदू का पेड़ लघु वनोपज के श्रेणी में आता है। इसके पत्तियों को बीडी बनाने के उपयोग में लाया जाता है, जो कि बस्तर में हरा सोना के नाम से प्रचलित है। यह भारत के पूर्वी हिस्सों एवं मध्य भारत में बहुतायत में पाया जाता है। अभी तक व्यावसायिक रूप से इसके पत्तियों का उपयोग किया जाता रहा है व फल का उपयोग ग्रामीण जन अपने खाने में तथा उसी मौसम में लोकल बाजारों में ही बेच कर आय प्राप्त करते है। ताजा पके फल को सुरक्षित रखने की अवधि बहुत कम होती है। अगर ताजे फल के गुदा को प्रसंस्करण कर माईनस 20-40 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखते है तो पूरे वर्ष भर तेन्दू फल का स्वाद लिया जा सकता है। जिसके तारतम्य में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा तेंदू फल का प्रसंस्करण कर आइसक्रीम व तेन्दू शेक बनाने संबंधी नवाचार का कार्य प्रारंभ किया गया है।

अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई सड़कदुर्घटना में 5 की मौत 4 गंभीर

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई सडक़ दुर्घटना में 05 युवकों की मौत हो गई वहीं इन सडक़ हादसों में 04 गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। कुछ घायलों का उपचार मेकॉज में जारी है, वहीं एक गंभीर रूप से घायल को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

भानपुरी थाना प्रभारी किशोर केवट से मिली जानकारी के अनुसार भानपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनारपाल के पास एक तेज रफ्तार कार पलट गई। कार में चार युवक सवार थे, जो आज सुबह तारागांव से सोनारपाल लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम मुजला के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सडक़ से नीचे जा पलटी। हादसे में सोनारपाल निवासी विनोद मिश्रा और शुकुलगुड़ा निवासी नीलम कश्यप की मौत हो गई। वहीं तारागांव निवासी रितेश और रैतु घायल हो गए। घायलों को मेकॉज ले जाया गया, जहां से एक गंभीर रूप से घायल को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

एएसआई दिनेश उसेंडी मिली जानकारी के अनुसार दूसरी दुर्घटना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम झारउमरगांव के पास हुई। इरिकपाल निवासी मनबोध भारती बकावंड गया था, वहां से लौटने के दौरान तेज रफ्तार बाइक का नियंत्रण बिगड़ा और पेड़ से जा टकराई जिससे हादसे में मनबोध की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। मनबोध जगदलपुर में मजदूरी करता था। उसकी एक बेटी डेढ़ साल की है, जबकि दूसरी बेटी अभी एक माह की है।

वहीं तीसरी दुर्घटना नगरनार थाना क्षेत्र के आमागुड़ा के पास हुई जिसमें एक तेज रफ्तार कार सडक़ किनारे पुल से जा टकराई। हादसे में धनपुजी निवासी रूपनारायण के साथ एक अन्य युवक की मौत हो गई। जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने जेसीबी की मदद से शवों और घायल को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि इतनी बुरी तरह से फंसे थे कि कार को तोडक़र बाहर निकालना पड़ा। हादसे में घायल तीसरे युवक को मेकॉज में भर्ती कराया गया है।

सचिव संघ ने नियमितीकरण नहीं करने पर गोबर खरीदी से किया इंकार

सचिव संघ ने राज्य सरकार पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

जगदलपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संघ के प्रांतीय अध्यक्ष ने पंचायत संचालनायल और संचालक कृषि विभाग को पत्र लिखकर बताया कि पंचायत सचिवों का शासकीयकरण नहीं करने के कारण गोबर खरीदी कार्य नहीं करने की निर्णय सचिव संघ ने लिया है। बजट में संविदा पर कार्यरत सचिवों की अनदेखी से नाराज होकर यह निर्णय लिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष तुलसी साहू ने कहा कि ने छत्तीसगढ़ में कार्यरत प्रदेश पंचायत सचिवों को दिए गए आश्वासन को अमल नहीं करते हुए बजट 2023-24 में पंचायत सचिवों के शासकीयकरण के विषय में किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया। इससे पंचायत सचिव संगठन में मायूसी और खासी नाराजगी है। इसके चलते निर्णय लिया गया है, कि प्रदेश के किसी भी ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवों के द्वारा गोबर खरीदी कार्य नहीं करेंगे।

इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों तुलसी साहू ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होने कहा कि पंचायत सचिव को शासन की तरफ से नियमित नहीं किया गया है। जिसकों लेंकर पंचायत सचिवों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। कोरोना के समय 16 महीने के दौरान 73 पंचायत सचिवों की कोरोना से मौत हो गई और 04 पंचायत सचिवो ने आत्महत्या कर ली। उनके परिवार को शासन द्वारा किसी प्रकार की आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की गई है। आत्महत्या करने वाले सचिव के परिजनों को 50 हजार रुपए अनुग्रह राशि के बजाय शासन ने 25 हजार रुपए की अनुग्रह राशि दी है।

पंचायत सचिव संघ का कहना है कि कोरोना काल के दौरान पंचायत सचिवों ने अपनी जान की बाजी लगाकर कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार का साथ दिया। राज्य सरकार की तरफ से कोरोना टीकाकरण अभियान में सौ फीसदी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पंचायत सचिव संघ ने अपना योगदान दिया। इसके अलावा सरकार की कई योजनाओं को धरातल पर सफल बनाने के काम में पंचायत सचिव संघ मदद करता है, लेकिन अब सरकार की तरफ से उनको तवज्जो नहीं दी जा रही है इसलिए संघ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए गोबर खरीदी नहीं करने का निर्णय लिया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU   Join SJU   Join SJU   Join SJU   Join SJU

कलेक्टर डॉ.सिद्दीकी ने रीपा योजनांतर्गत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

सारंगढ़ के छिन्द एवं गोड़म स्थित रीपा गौठानों का किया निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में रीपा योजना अंतर्गत सभी जनपदों में निर्माण कार्य प्रगतिशील है। उक्त निर्माण कार्यो के निरीक्षण हेतु कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दीकी ने आज तड़के सुबह 7 बजे ही सारंगढ़ स्थित छिन्द रीपा गौठान एवं गोड़म स्थित रीपा गौठान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने समस्त निर्माण कार्यो को तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। छिन्द रीपा गौठान में बेकरी यूनिट, मिठाई

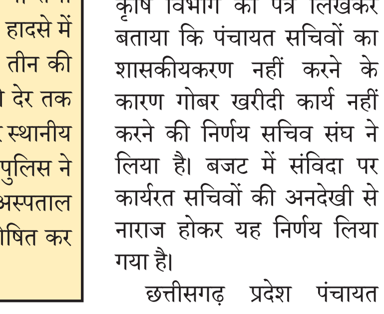

बाक्स यूनिट, फ्लाईएश मशीन एवं मुर्रा मिल मशीन का कार्य प्रस्तावित है। कलेक्टर ने इन कार्यो की गुणवत्ता बरकरार रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। गोड़म स्थित रीपा गौठान में फ्लाईएश मशीन, पाउचिंग मशीन, आलू चिप्स मशीन, साथ ही पापड़ एवं अचार उद्योग का कार्य प्रस्तावित है। कलेक्टर डॉ.सिद्दीकी ने इन कार्यो हेतु बनाए जा रहे शेड के लिए गेट निर्माण और फेंसिग के कार्य को उपस्थित सरपंच को जल्दी से पूरा करने कहा, साथ ही कामगारों की संख्या बढ़ाकर निर्माणाधीन कार्यों में शीघ्रता लाने तथा विद्युतीकरण का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सारंगढ़ जनपद सीईओ अभिषेक बनर्जी, परियोजना अधिकारी युवराज पटेल एवं गौठान समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना के अंतर्गत सभी जिलों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया जा रहा है, इसमें ग्रामीण क्षेत्रों के चयनित गौठानों को आजीविका के केन्द्र के रूप में विकसित करने की कवायद जारी है। गौठानों में वर्मीकम्पोस्ट, मुर्गी पालन, बकरी पालन, कृषि उत्पादों और वनोपजों के प्रसंस्करण एवं ग्रामोद्योग संबंधी कार्य किये जाने हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को रोजगार और आय के अवसर प्रदान करने की सरकार की मंशा है। इसी क्रम में सारंगढ़ के छिन्द और गोड़म स्थित गौठान रीपा के कार्यो हेतु चयनित हैं।

गोड़म के शासकीय स्कूल का किया निरीक्षण- कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने गोड़म स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। जहां आज कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा अंतर्गत गणित पेपर चल रहा था। कलेक्टर ने स्वयं कक्षावार जाकर बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था का जायजा लिया एवं उपस्थित शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कुल 65 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जिनमें कुल 161 स्कूल शामिल हैं, सभी स्कूलों में परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उक्त निरीक्षण के दौरान केंद्राध्यक्ष अमित कुमार जांगड़े एवं स्कूल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।